- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

02 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट बिहार के आर्थिक विकास को गति देगा: उमेश कुशवाहा

04 राष्ट्र-निर्माण में सहभागिता हेतु 'एक विकास संवाद' का आयोजन

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

पटना, शुक्रवार, 15 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए | वर्ष: 04, अंक: 303

भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'जय अनुसंधान' एक महत्वपूर्ण सिद्धांत: डॉ. मनसुख

बीएनएम@नई दिल्ली

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि केन्द्र सरकार देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को पूरी तरह से विकसित करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान के नारे के साथ अनुसंधान और नवाचार मजबूत स्वास्थ्य अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र बनाएंगे। भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'जय अनुसंधान' एक बहुत महत्वपूर्ण सिद्धांत है।

गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएमआर) में पांच नई सुविधाओं का उद्घाटन करते हुए सभा को संबोधित कर रहे थे। इन सुविधाओं में एक परीक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, एक इनोवेशन कॉम्प्लेक्स, एक कॉन्फ्रेंस हॉल कॉम्प्लेक्स और एक 300 सीटों वाला सभागार शामिल है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री एसपी बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार भी मौजूद रहे।

इस मौके पर "जय अनुसंधान" के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि कोरोना के समय में भारत को वैक्सीन प्राप्त करने में कई महीने लग गए होते लेकिन हमने न केवल देश में ही वैक्सीन विकसित की, बल्कि दुनिया के 110 देशों को कम कीमत पर सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली वैक्सीन उपलब्ध कराई। इसी तरह हाइड्रोक्सी-यूरिया जैसी दुर्लभ बीमारियों के लिए 14-15 दवाएं हैं, जिनकी कीमत पहले हजारों रुपये हुआ करती थी। आज, ये दवाएं भारत में बनाई जाती हैं और इनकी कीमत पहले की तुलना में बहुत कम होती है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि स्वास्थ्य एक बहुत ही गतिशील क्षेत्र है, जहां हर दिन नए अनुसंधान, विकास और नवाचार होते हैं। उन्होंने कहा कि आज हम देश की सेवा में जिन सुविधाओं का उद्घाटन कर रहे हैं, वे दर्शाती हैं कि भारत दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार है। आईसीएमआर जैसी संस्थाएं आज तेजी से मजबूत हो रही हैं और अपने काम के दम पर पूरी दुनिया में अलग स्थान हासिल कर रही हैं।

मिचौंग तूफान से हुए भारी नुकसान की भरपाई के लिए तमिलनाडु सरकार ने मांगी केन्द्र से मदद

नई दिल्ली। मिचौंग तूफान से हुए भारी नुकसान की समीक्षा पर गुरुवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और केन्द्रीय टीम के साथ बैठक की। इस मौके पर स्टालिन ने केन्द्रीय टीम को बाढ़ से हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी और नुकसान की भरपाई के लिए केन्द्र सरकार से 5000 करोड़ रुपये सहायता देने की मांग की। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु सरकार चक्रवात मिचौंग से हुए भारी नुकसान की भरपाई करने की कोशिश कर रही है। बाढ़ के कारण गरीब लोगों की आजीविका को बहाल करने में भी जुटी हुई है। लेकिन इस दिशा में बहुत काम करने बाकी है, जिसके लिए राज्य सरकार के फंड पर्याप्त नहीं है।

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा शीत सत्र से 14 सदस्य निलंबित

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को दिनभर विपक्ष के संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर हंगामा करने के चलते बाधित रही। इस दौरान विपक्ष के 14 सदस्यों को उनके अनुचित आचरण के चलते शीतकालीन सत्र के बाकी बचे समय के लिए निलंबित कर दिया गया।

लोकसभा की कार्यवाही पहले 2 बजे फिर 3 बजे और उसके बाद दिनभर के लिए स्थगित की गई। दो बजे कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस के पांच सांसदों टीएन प्रतापन, हिबी हिडन, जोथिमनी, राम्या हरिदास, डीन कुरियाकोस को सदन की कार्यवाही से निलंबित किया गया। इसके बाद भी हंगामा जारी रहा। कार्यवाही स्थगन के बाद दोबारा 3 बजे शुरू होने पर सदस्य वीके श्रीकंदन, बेनी बेहनन, मोहम्मद जावेद, पीआर नटराजन, कनिमोझी, के सुब्रमण्यम, एसआर पार्थिबन, एस वेंकटेशन और मनिकम टैगोर को भी कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया।

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सदन के उपनेता राजनाथ सिंह ने बयान दिया। उन्होंने संसद सदस्यों को दर्शक दीर्घा के लिए पास जारी करते समय अधिक सावधानी बरतने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में चूक की घटना की सभी सदस्यों को एक स्वर में निंदा करनी चाहिए। इस पर सदन में अराजकता फैलाने का कोई औचित्य नहीं है। घटना के बाद अध्यक्ष की ओर से स्वयं जांच के आदेश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बिजनेस कनेक्ट में उद्योग जगत के दिग्गजों को हर तरह की सुविधा-मदद करने का दिया भरोसा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को ज्ञान भवन में बिहार बिजनेस कनेक्ट 2023 के प्लेनरी सेशन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने भारत के उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न प्रतिनिधियों तथा 16 अन्य देशों के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनका स्वागत, अभिनंदन किया। साथ ही बिहार में आन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के दौरान अडानी ग्रुप के निदेशक प्रणव अडानी, नाहर ग्रुप इंडस्ट्री के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमल ओसवाल, एएमडी के चीफ इंफॉर्मेशन ऑफिसर हंसमुख रंजन ने बिहार में अपनी-अपनी कंपनियों द्वारा किए जा रहे निवेश के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सभी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार में किए जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। शिक्षा, नारी सशक्तीकरण, सोशल रिफॉर्म, लॉ एंड ऑर्डर, इंफ्रास्ट्रक्चर और कृषि क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की और कहा कि बिहार में काफी बदलाव आया है और यहां निवेश के लिए अनुकूल माहौल है। हमलोग बिहार सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं कि बिहार में उद्योग लगाने के लिए हमलोगों को मौका दे रही है।

कार्यक्रम के दौरान उद्योग विभाग एवं प्रमुख कंपनियों के बीच बिहार में निवेश प्रस्ताव से संबंधित एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ और एक-दूसरे को हस्तांतरित किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन कंपनी, पटेल एग्री इंडस्ट्री, हॉलटेक इंटरप्राइजेज कंपनी, इंडो-यूरोपियन हर्ट हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशन, देव इंडिया प्रोजेक्ट शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने अडानी ग्रुप के निदेशक प्रणव अडानी, नाहर ग्रुप इंडस्ट्री के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमल ओसवाल, एएमडी के चीफ इंफॉर्मेशन ऑफिसर हंसमुख रंजन, पटेल एग्री इंडस्ट्री के निदेशक डॉ दिलीप कुमार, टाइगर कंपनी के चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर महेश कुमार, हाईस्प्रिट कॉमर्शियल वेंचर के प्रबंध निदेशक तुषार जैन, माइक्रोमैक्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर राजेश अग्रवाल, वी टू रिटेल के राम अग्रवाल को प्रतीक चिह्न एवं शॉल देकर सम्मानित किया।

आह्वान पत्रकारों से कहा उद्देश के साथ मजबूती से जुड़ें

जेजेए के संस्थापक व नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे पलामू

बीएनएम@मेदिनीनगर

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) के संस्थापक अध्यक्ष शहनवाज हसन और नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संपूर्णानंद भारती गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे। स्थानीय व्हाइट हाउस में उन्होंने पलामू और गढ़वा के पत्रकारों के साथ बैठक की और संगठन की मजबूती को लेकर रायशुमारी की। प्रदेश से आये दोनों पदाधिकारियों का वरिष्ठ पत्रकार संजय पांडेय, कुंदन वर्मा और जेजेए के प्रदेश संयुक्त सचिव अजीत पाठक ने अभिनंदन किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए जेजेए के संस्थापक अध्यक्ष सह भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव शहनवाज हसन ने कहा कि पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सभी पत्रकारों को आपसी मतभेद भूल कर एकजुट होने की जरूरत है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संपूर्णानंद भारती ने भी पलामू और गढ़वा के पत्रकारों में ऊर्जा भरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि शुरू से ही जेजेए का इतिहास समर्पण का रहा है। हर विपरीत परिस्थिति में पत्रकारों के साथ जेजेए खड़ा नजर आया है।

श्री भारती ने कहा कि वे पत्रकारों के हित में कुछ ऐसे कार्य करने की जिद लेकर संगठन से जुड़े हैं, जो पत्रकारिता और पत्रकारों की बुनियाद को मजबूती प्रदान करेंगे। श्री भारती ने कहा कि यह सब तभी संभव है जब सभी पत्रकार समर्पण के साथ संगठन से जुड़ें और उनके हाथ को मजबूत करें। मौके पर अन्य लोगों के अलावा दिलीप कुमार, कुंदन सिन्हा, मुरारी, मोरध्वज पांडेय समेत निखिल सिन्हा समेत कई पत्रकार मौजूद थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में दो करोड़ से अधिक लोगों ने लिया भाग

नई दिल्ली। विकसित भारत संकल्प यात्रा में लोगों की भागीदारी दो करोड़ के पार हो गई है। गुरुवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में पिछले सात दिनों में ही लोगों की भागीदारी दोगुनी हो गई है। एक हफ्ते पहले इन यात्राओं में एक करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था लेकिन अब यह संख्या बढ़कर गुरुवार को दो करोड़ हो गई है। मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा लगभग 60,000 ग्राम पंचायतों तक पहुंच चुकी है। यात्रा की 'मेरी कहानी, मेरी जुबानी' पहल के तहत 1.30 करोड़ से अधिक लोगों ने अपने अनुभवों और आकांक्षाओं को साझा किया।

संक्षिप्त समाचार

नीतीश कुमार के वाराणसी में प्रस्तावित रैली स्थगित

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के वाराणसी में प्रस्तावित रैली को स्थगित कर दिया गया है। वाराणसी में नीतीश कुमार आगामी 24 दिसंबर को रैली करनेवाले थे। इसकी जानकारी देते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि जगह नहीं मिलने के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वाराणसी में होने वाली रैली को फिलहाल स्थगित किया गया है। रैली की अगली तिथि जल्द ही घोषित की जायेगी। नीतीश कुमार की वाराणसी में होने वाली रैली को लेकर जमकर सियासत हो रही थी। नीतीश कुमार की बनारस में होने वाली रैली को लेकर सभी की निगाहें इस पर थी। बिहार सरकार के कई मंत्री इस रैली को सफल बनाने के लिए बनारस में कैंप भी कर रहे थे।भाजपा नेता नीतीश की वाराणसी रैली को लेकर लगातार अपना बयान दे रहे थे। नीतीश की रैली से पूर्व यहां प्रधानमंत्री की रैली की घोषणा भी की जा चुकी है।

जवाबदेही भी तय करने की जरूरत है: चिराग

पटना। एनडीए के घटक दल लोजपा (रामविलास) ने लोकसभा में हुई सुरक्षा चूक ममाले में गुरुवार को यहां कहा कि ‘देश की संसद है और चुने हुए सांसद यहां पर आते हैं। यह ना सिर्फ सांसदों की सुरक्षा का मामला है बल्कि देश के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री यहीं पर बैठते हैं। ऐसे में अगर सदन में इस तरीके की घटना होगी तो यकीनन देश भर में इसका संदेश ठीक नहीं जाएगा। ऐसे में मुझे लगता है कि जिम्मेदारी और जवाबदेही भी तय करने की जरूरत है।’ चिराग पासवान ने कहा कि संसद में चूक तो हुई है। इस पर अध्ययन करने की जरूरत है। समीक्षा करने की जरूरत है। प्रोटोकॉल को और सख्त करना हो तो उसे किया जाना चाहिए।दर्शक दीर्घा और सांसदों के बीच में कितनी दूरी है लेकिन वह व्यक्ति इतनी सहजता से कूद गया। ये दर्शाता है कि आज ये घटना हुई है तो कल को कोई और बहुत बड़ी घटना घट सकती है। ऐसे में नियम कानून को और सख्त करने की जरूरत है। जिन सासंदों के माध्यम से लोग आते हैं या सांसद हस्ताक्षर करते हैं उसको और जितना सख्त करने की जरूरत है किया जाना चाहिए।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट बिहार के आर्थिक विकास को गति देगा: उमेश कुशवाहा

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रदेश की बदलती तस्वीर और तकदीर का परिचायक है। देश-दुनिया के निवेशकों का मानना है कि उनके व्यापार के लिए बिहार एक बेहतर विकल्प के तौर पर उभरा है। उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि पटना के ज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 600 से अधिक उद्यमी भाग ले रहे हैं, जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भी शामिल है। समिट में आए देश-दुनिया के निवेशक बिहार में हुए बदलाव और नीतीश कुमार के विकास कार्यों के प्रशंसा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमारा प्रदेश औद्योगिक विकास की तरफ तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जिसका सबसे अधिक फायदा बिहार के युवाओं को होगा। बिहार की 53 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। इस लिहाज से बिहार को देश का सबसे युवा प्रदेश भी कहा जा सकता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार ने अपने कुशल और दमदार कार्यशैली से बिहार के अंदर आज ऐसा माहौल बनाया है कि अब विदेशी निवेशक भी बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बिहार में सड़क, बिजली और पानी जैसी आधारभूत संरचनाएं पहले से काफी सुदृढ़ हुई है। कानून-व्यवस्था के मामले में भी बिहार की स्थिति अन्य राज्यों के मुकाबले बहुत अच्छी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो बिहार धीरे-धीरे निवेशकों के लिए सबसे अनुकूल राज्य बनता जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हजारों करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो कि प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए बेहतर संकेत है। राज्य की सरकार भी उद्यमियों को हर तरह से सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निवेशकों का बिहार की ओर रुख करने का एक प्रमुख कारण यह भी है कि यहां के युवा मेहनती और कुशल होते हैं।

ट्रेन परिचालन का मुद्दा लोकसभा में उठाये जाने के बाद सियासत

अररिया। फारबिसगंज सहरसा-दरभंगा रेलखंड पर ट्रेन परिचालन की मांग अररिया सांसद प्रदीप सिंह की ओर से संसद में उठाए जाने के बाद सियासत तेज हो गई है।

राजद व्यवसायी प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रधान महासचिव ई आयुष अग्रवाल ने कहा कि पिछले 14 -15 वर्षों से इस रेलखंड पर अमान परिवर्तन कार्य चल रहे हैं। केंद्र में भाजपा की सरकार है और अररिया सांसद प्रदीप सिंह अपने ही सरकार से ट्रेन चलाने की मांग कर रहे हैं, जो काफी दुखद है। जबकि मुख्य रेल सुरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के ग्यारह महीने बीत गए और अनापत्ति प्रमाण पत्र भी मिल गया। बावजूद इसके ट्रेन परिचालन शुरू नहीं हो पाना, केंद्र सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का अब तक का उदासीन रवैया कारण रहा।

उन्होंने कहा सीमांचल का इलाका रेलवे के विकास से कोसों दूर है। पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में इस इलाके से लंबी दूरी की दो ट्रेन चलाने की घोषणा हुई थी। उसके बाद आज तक एक भी गाड़ियां भाजपा सरकार में इस इलाके को नहीं मिली है। उन्होंने कहा पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद के कार्यकाल में जोगबनी से दिल्ली और जोगबनी से कोलकाता के लिए ट्रेन की घोषणा हुई जिसका परिचालन अभी भी हो रहा है।उसके बाद एक भी लंबी दूरी की ट्रेन इस इलाके से भाजपा सरकार में नहीं चली।

उन्होंने कहा जिस प्रकार से अमान परिवर्तन कार्य पूर्ण होने के बाद भी अररिया सांसद प्रदीप सिंह को संसद में ट्रेन परिचालन की मांग करनी पड़ रही है यह काफी दुखद है।उन्होंने कहा केन्द्र सरकार को चाहिए सीमांचल मिथिलांचल को जोड़ने वाली इस रेलखंड पर ट्रेन परिचालन जल्द से जल्द शुरू करें। सीमांचल का इलाका रेलवे के विकास से कोसों दूर है। भारत नेपाल सीमा को देश के अन्य इलाकों को जोड़ने के लिए केंद्र सरकार को कार्य करनी चाहिए।

बिहार में अडाणी समूह 8,700 करोड़ करेगा निवेश

बीएनएम@पटना

बिहार में अडानी समूह ने 8,700 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है।पटना में आयोजित दो दिवसीय बिहार बिजनेस कनेक्ट-2023 के दूसरे दिन अडाणी समूह के निदेशक प्रणव अडाणी ने कहा कि हम अभी तक राज्य में 850 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। अब हम बिहार में निवेश को 10 गुणा करना चाहते हैं और 8,700 करोड़ रुपये का निवेश हमारी प्लानिंग है।

उन्होंने कहा कि हम अपने वेयरहाउस में 150 एकड़ के स्केल में 1200 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। इसमें से एक बड़ा गोदाम पटना में ही होने वाला है। इससे 2,000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

इसके अलावा हम छह जगहों पूर्णिया, बेगूसराय, दरभंगा, समस्तीपुर, किशनगंज और अररिया में अपने साइलो स्टोरेज को डेढ़ लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 2,75,000 मीट्रिक टन करने के लिए 900 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। हम गया और नालंदा में अपना सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क बढ़ाने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट और ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने पर कंपनी विचार कर रहे हैं। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। अडाणी विलमार को भी बिहार लाने का विचार है। यहां पर शुरू में हम फ्लोर मिल, आरएफएम प्लांट, सॉल्वेंट एक्सटेंशन प्लांट, को-जेनरेशन और सासाराम और रोहतास में पैडी प्रोसेसिंग प्लांट बनाने के लिए 800 करोड़ का निवेश करने वाले हैं। बिहार में सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग वरसालीगंज और महावर में 2,500 करोड़ रुपये इन्वेस्ट करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम साल भर में एक करोड़ मीट्रिक टन का उत्पादन शुरू करेंगे। सीमेंट क्षेत्र में हमारे निवेश से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3,000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

बिहार में वाम दलों ने बढ़ाई राजद-जदयू की परेशानी

पटना। वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार की सियासत में गर्मी बढ़ने लगी है। सीटों के बंटवारे के बिना ही वाम दलों ने अपनी तैयारी तेज करते हुए दावा जताना शुरू कर दिया है। सबसे बड़ी बात यह भी है कि विपक्षी महागठबंधन में शामिल इन क्षेत्रीय पार्टियों का दबदबा बिहार के तीन से चार लोकसभा सीटों पर ज्यादा है। विपक्षी गठबंधन में शामिल बिहार की क्षेत्रीय पार्टी सीपीआई (माले) ने भी लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताकर महागठबंधन दल में हड़कंप मचा दी है। सीपीआई (एमएल) ने दो सीटों पर सघन तैयारी शुरू भी कर दी है। ये सीट आरा और सिवान की है जबकि सीपीआई बेगूसराय, बांका और मधुबनी में अपने पुराने और जिताऊ जनाधार की खोज में जुट गई है।

सीपीआई के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने बातचीत में कहा कि मधुबनी में छह और बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र में दो बार हमारे पार्टी के उम्मीदवारों की जीत हो चुकी है। इन सीटों पर कई बार हमारे उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे हैं। बांका के दो चुनावों में भाकपा को सम्मानजनक मत प्राप्त हुआ है। इसलिए इन सीटों पर हमारे दावे का तार्किक आधार है। सीपीआई (एमएल) ने आरा और सिवान लोकसभा क्षेत्रों में तैयारी कर रही है। आरा में 1989 में उसकी जीत हुई थी। उस समय इंडियन पीपुल्स फ्रंट के नाम से भाकपा माले चुनाव लड़ती थी। वर्ष 2019 में आरा में माले उम्मीदवार राजू यादव को चार लाख 19 हजार वोट मिला था। इसी तरह सिवान भी उसका आधार क्षेत्र रहा है। सिवान में माले की कभी जीत नहीं हुई लेकिन तीन चुनावों में उसके उम्मीदवार तीसरे नंबर पर रहे हैं। भाकपा माले और राजद के बीच 2019 के लोकसभा चुनाव में भी समझौता हुआ था।

मुख्यमंत्री ने बिजनेस कनेक्ट में उद्योग जगत के दिग्गजों को हर तरह की सुविधा-मदद करने का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री ने बिहार बिजनेस कनेक्ट-2023 के प्लेनरी सेशन का किया उद्घाटन

बीएनएम@पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को ज्ञान भवन में बिहार बिजनेस कनेक्ट 2023 के प्लेनरी सेशन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने भारत के उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न प्रतिनिधियों तथा 16 अन्य देशों के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनका स्वागत, अभिनंदन किया। साथ ही बिहार में आन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि बिहार सरकार उन्हें हर तरह की मदद और सुविधा प्रदान करेगी। कार्यक्रम के दौरान अडानी ग्रुप के निदेशक प्रणव अडानी, नाहर ग्रुप इंडस्ट्री के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमल ओसवाल, एएमडी के चीफ इंफॉर्मेशन ऑफिसर हंसमुख रंजन ने बिहार में अपनी-अपनी कंपनियों द्वारा किए जा रहे निवेश के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सभी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार में किए जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

शिक्षा, नारी सशक्तीकरण, सोशल रिफॉर्म, लॉ एंड ऑर्डर, इंफ्रास्ट्रक्चर और कृषि क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की और कहा कि बिहार में काफी बदलाव आया है और यहां निवेश के लिए अनुकूल माहौल है। हमलोग बिहार सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं कि बिहार में उद्योग लगाने के लिए हमलोगों को मौका दे रही है।

कार्यक्रम के दौरान उद्योग विभाग एवं प्रमुख कंपनियों के बीच बिहार में निवेश प्रस्ताव से संबंधित एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ और एक-दूसरे को हस्तांतरित किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन कंपनी, पटेल एग्री इंडस्ट्री, हॉलटेक इंटरप्राइजेज कंपनी, इंडो-यूरोपियन हर्ट हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशन, देव इंडिया प्रोजेक्ट शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने अडानी ग्रुप के निदेशक प्रणव अडानी, नाहर ग्रुप इंडस्ट्री के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमल ओसवाल, एएमडी के चीफ इंफॉर्मेशन ऑफिसर हंसमुख रंजन, पटेल एग्री इंडस्ट्री के निदेशक डॉ दिलीप कुमार, टाइगर कंपनी के चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर महेश कुमार, हाईस्प्रिट कॉमर्शियल वेंचर के प्रबंध निदेशक तुषार जैन, माइक्रोमैक्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर राजेश अग्रवाल, वी टू रिटेल के राम अग्रवाल को प्रतीक चिह्न एवं शॉल देकर सम्मानित किया।

केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी

बीएनएम@केसरिया

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लोगों को केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। इस कड़ी में गुरुवार को प्रचार रथ प्रखण्ड क्षेत्र के मठिया, बथना, ताजपुर पटखौलिया व पूर्वी सुन्दरापुर पंचायत में पहुँचा। जहाँ उपस्थित लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस क्रम में ताजपुर पटखौलिया पंचायत अंतर्गत लाला छपरा चौक पर विधायक प्रमोद कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना से दो लोगों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान विधायक श्री कुमार ने कहा कि मोदी सरकार हर वर्ग समुदाय के उत्थान के लिए सोंच रही है।

उस सोंच को धरातल पर उतारकर लोगों को लाभान्वित कर रही है। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को किसान, व्यवसायी सहित अन्य लोगों के हितार्थ संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश अस्थाना, आनंद सिंह, मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार, मुखिया भोला कुमार, शैलेन्द्र गिरी, जगरनाथ यादव, आनंद मोहन ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे। इधर, मठिया पंचायत में विधायक कृष्णनंदन पासवान के नेतृत्व में लोगों को भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। मौके पर अभिषेक सिंह मंटू, चंदन कुमार, विनोद कुमार, रमेश कुमार, सोहन कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

समारोह को लेकर किया जनसंपर्क

बीएनएम@केसरिया। अगामी सात जनवरी को मोतिहारी स्थित बापू सभागार में आयोजित कानू एकता सह सम्मान समारोह की सफलता को जन सम्पर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की जा रही है। इस कड़ी में गुरुवार को कार्यक्रम के संयोजक ने केसरिया प्रखण्ड के खिजिरपुरा बेनीपुर , ढेकहाँ, सुन्दरापुर समेत कई गाँवों का भ्रमण किया। इस दौरान स्वजातीय बन्धुओं से मिल कर कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह समारोह ऐतिहासिक होगी। जिले के कोने-कोने से बड़ी संख्या में लोग शामिल होगें। जिला परिषद सदस्य निर्मला देवी के ढेकहाँ स्थित अवास पर स्वागत किया गया।

जन सम्पर्क अभियान में मुखिया अशोक कुमार गुप्ता, राजद व्यवसायी प्रकोष्ठ के जिला महासचिव विनोद कुमार गुप्ता, सुभाष गुप्ता, सरपंच विनोद गुप्ता, पूर्व मुखिया हरेंद्र साह, सरपंच संघ के अध्यक्ष साधुलाल साह, सामाजिक कार्यकर्ता कुन्दन कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

बेतिया में हत्या कर लाश को दफनाने का प्रयास

बीएनएम@बेतिया

बेतिया पुलिस जिला स्थित बैरिया थाना क्षेत्र के मियांपुर पंचायत के तिलगही वार्ड नंबर पांच में एक महिला की बेरहमी से हत्या कर लाश को दफनाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।

मामला उस वक्त जंगल के आग की तरह पूरे गांव में फैला गया। जब महिला की हत्या कर शव को बाईक पर लेकर नौतन बैरिया सीमा क्षेत्र अवस्थित चंद्रावत नदी के बांध पर दफनाने का प्रयास किया जा रहा था ।इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने पति चंदेश्वर चौधरी को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेजा दिया है। इस बाबत जौकटीया निवासी मृतका के पिता जदुनंदन चौधरी ने बताया कि विगत अठारह साल पूर्व वे अपनी पुत्री रीना की शादी मियां पुर तिलंगही के सुदामा चौधरी के पुत्र चंदेश्वर चौधरी से की। शादी के बाद कुछ साल तक उनकी पुत्री का जीवन सुखमय व्यतीत हुआ और दाम्पत्य जीवन से तीन बच्चे हुए , हालांकि की इस दौरान भी ससुराल वालों के द्वारा नोंक-झोंक किया जाता था। इधर कुछ वर्षों से ससुराल वाले उनकी पुत्री के साथ बराबर मारपीट करने लगे। जिसको लेकर कई बार पंचायती भी हुई है।

पंचायत में बार बार मारपीट नहीं करने का वादा ससुराल वालों के द्वारा किया गया। इसके बावजूद भी मृतका के साथ मारपीट करते रहे। गुरुवार की सुबह ससुराल वाले जलावन की लकड़ी को लेकर उनकी पुत्री को बेरहमी से मारपीट कर हत्या कर दिया है। बताया कि घटना से पहले फोन पर उनकी मृतका से बात हुई थी। पुलिस मायके वालों के बयान पर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पट्टीदार ने मारपीट कर महिला को किया घायल, गम्भीर

तुरकौलिया। तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के अशर्फीटोला के छोटन साह की पत्नी रीना देवी को उसके पट्टीदारों ने मारपीट कर घायल कर दिया है। उसे पीएचसी तुरकौलिया में भर्ती कराया गया। जहां चिंताजनक स्थिति को देखते हुए पीएचसी ने सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर कर दिया। जख्मी रीना देवी ने बताया कि उसके पाटीदार पूर्व में भी कई बार उसके साथ मारपीट कर चुके हैं और बिना बात का हमेशा मारपीट करते रहते हैं। घटना को लेकर रीना ने थाना पर आवेदन पर दिया है। जहां उसने बताया है कि 8 दिसंबर को वह अपने दरवाजे पर बैठी थी इसी दौरान रूला साह, रोशन साह, मुन्ना साह, जयप्रकाश साह, कपिल साह सहित 10 लोग आए। सभी के हाथ में लाठी लाठी डंडा कुकरी जान मारने की नीयत से मेरे ऊपर हमला कर दिए। जमीन पर पटककर पेट पर लात घुसा से मारने लगे। जबकि पहले मेरा आपरेशन हुआ था। दर्द के मारे जोर जोर चिल्लाने लगी। इसी दौरान मेरे बलाउज से 4 हजार रुपए निकाल लिए। यह पैसा खाद खरीदने के लिए रखी थी। घर घुसकर लूटपाट भी किए। हल्ला सुनकर जब आसपास के लोग आए तो सभी भाग गए।

आयोजन | राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन

नाइट ब्लड सर्वे को लेकर लैब टेक्नीशियन का प्रशिक्षण

बेतिया। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत गवर्नमेंट मेडिकल कालेज बेतिया के प्रयोगशाला प्रावैधिकी में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण डॉ अजय कुमार एवं डॉ नुसरत जहाँ द्वारा दिया गया।

जिले के सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि नाइट ब्लड सर्वे के दौरान रात 8:30 से 12 बजे के बीच लोगों के रक्त की जाँच की जाएगी। वहीं नाइट ब्लड सर्वे वाले क्षेत्र में आशा, जनप्रतिनिधि व स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से जन जागरूकता चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रखंड में एक स्थाई एवं एक अस्थाई साइट का चयन किया गया है। प्रत्येक साइट से रात के 8:30 से 12 बजे तक 18 प्रखंडों के कुल 10 हजार 8 सौ लोगों के रक्त के नमूने लिए जाएं।

प्रशिक्षण में डॉ अजय कुमार एवं डॉ नुसरत जहां द्वारा लैब टेक्नीशियनों को सर्वे से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। इसी दौरान लोगों के रक्त के नमूने लेने से लेकर माइक्रोस्कोपिक जांच से जुड़ी हुई जानकारियों को बहुत ही बारीकी से अवगत कराया गया।

डॉ नुसरत जहाँ ने कहा कि जांच के लिए संग्रहित रक्त नमूनों की सटीक व त्रुटिहीन जांच सुनिश्चित कराने में लैब टेक्नीशियन की भूमिका काफ़ी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए उनका प्रशिक्षण बेहद आवश्यक है।

सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने बताया कि जांच के दौरान माइक्रो फाइलेरिया दर 1 प्रतिशत या अधिक होने पर 10 फ़रवरी से सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने बताया की दवा अपने सामने ही खिलाना है। इस बात का ध्यान रखना है। वहीं 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी को उम्र के अनुसार डीईसी तथा अल्बेंडाजोल की निर्धारित खुराक खिलायी जाएगी।

जन सुराज कार्यालय का हुआ, उद्घाटन जन समस्याओं का होगा निराकरण

पताही। प्रखंड मुख्यालय के अति व्यस्त थाना चौक पर गुरुवार को जन सुराज प्रखंड कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष वीर प्रसाद महंतों संगठन महासचिव जय मंगल कुशवाहा वं जिला उपाध्यक्ष ई संजय सिंह तथा बड़ी संख्या में जन सुराज के जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड कमिटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष सह पुर्व विधानसभा प्रत्याशी इंजिनियर संजय कुमार ने कहा कि यह कार्यालय बिहार के विकास के लिए एक मंच होगा। जहां जनसुराजी बैठकर क्षेत्र की सभी जन समस्याओं पर मंथन कर उसका समाधान करने का प्रयास करेंगे। क्षेत्र में कई ऐसे लोग हैं जो जन सुराज से जुड़ना चाह रहे थे। उनके लिए एक स्थाई कार्यालय हो जाने से कार्यकर्ताओं को काफी सुविधा होगी। इस कार्यालय का उद्घाटन नागरिक सहायता केंद्र के रूप में किया गया है। बता दें जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने मीडिया संवाद के दौरान कहा कि अगर प्रशांत किशोर नेताओं और दलों को सलाह देकर जीता सकते हैं तो भरोसा रखिए बिहार की जनता को भी जिता सकता हूं, इस पूरे अभियान में यह कहा जा रहा है कि जनता के बीच से ऐसे लोगों को ढूंढ़कर निकालेंगे और उनके साथ अपनी पूरी शक्ति, बुद्धि और संसाधन लगाएंगे और उनको जीता कर लाएंगे, जब कोई ईमानदार व्यक्ति जीतकर आएगा तभी स्थिति में सुधार होगा, अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पूरी तरह से जनता पर निर्भर करेगा, अगर लोगों को लगेगा कि विकल्प की जरूरत है तो उसकी मदद हम करेंगे।

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में नेताओं द्वारा बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद बदलाव नहीं आ रहा है। इसके पीछे के कारणों पर बिहार वासियों को गंभीर रूप से सोचने की जरूरत है। राजनीति को लेकर बिहारवासी सोच बदलेंगे, तो मेरा दावा है कि अपना बिहार जरूर बदल जाएगा।

पूर्व मुखिया की पोती की शादी में हर्ष फायरिंग, 10 साल के बच्चे की मौत

पकड़ीदयाल

हर्ष फायरिंग रोकने के लिए भले पुलिस द्वारा कई निर्देश जारी किए जा रहे हो लेकिन इसे रोकने में पुलिस को अब तक कामयाबी नहीं मिल पाई है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात सिसहनी गाव की पूर्व मुखिया के गेनावती देवी के पुत्र अखिलेश पासवान की बेटी रिया कुमारी की शादी थी।

बारात मुजफ्फरपुर के साहेबगंज थाना क्षेत्र के विशंभरापुर से आई थी। बारात दरवाजे पर पहुंची तो वहां हर्ष फायरिंग शुरू हो गई। फायरिंग में एक किशोर गोविंद कुमार के सिर में गोली लगने से मौत हो गई।

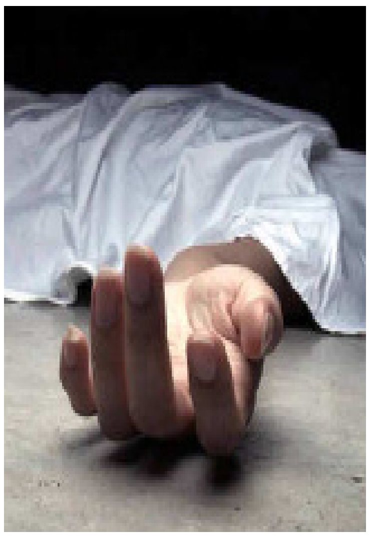

वही अन्य दो लोग जख्मी हो गए। किशोर की पहचान सिसहनी गाव के रहने वाले जय किशोर पासवान के पुत्र के रूप में हुई है। जिसके शव को नदी के पार छिपाया गया था। पुलिस ने गुरुवार को सुबह गोविंद के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेकिन जख्मियो के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। जिसकी तलाश जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पकड़ीदयाल डीएस पी सुबोध कुमार के साथ स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है।

पुलिस ने पूर्व मुखिया गोनावाती देवी समेत दो लोगों को तत्काल हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृत किशोर की मां सुनीता देवि ने बताया कि अखिलेश पासवान की बेटी की शादी में लोग भोज खा रहे थे उसी दौरान शराब के नशे में प्रभाकर पासवान अपने घर से बंदूक लेकर बाहर निकला वहां मौजुद लोगों ने उसे रोकने की कोशिश भी नहीं की और उसने गोली गोविंद पर चला दी।

युवाओं को राष्ट्र-निर्माण में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित करने के लिए 'एक विकास संवाद' का आयोजन

बीएनएम@मोतिहारी

विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण में योगदान देने और युवाओं को राष्ट्र-निर्माण में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित करने के लिए, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने बृहस्पति सभागार, महात्मा बुद्ध परिसर में 'एक विकास संवाद' का आयोजन किया।

अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर शिरीष मिश्रा, डीन, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट साइंसेज ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया और

अगले 25 साल, यानी 2047 में एक विकसित भारत सुनिश्चित करने के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'पंच प्रण' (पांच संकल्प) की रूपरेखा प्रस्तुत की।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रोफेसर चंद्रकला पाडिया कार्यक्रम की मुख्य वक्ता थीं। अपने आकर्षक संबोधन में उन्होंने वैज्ञानिक रूप से यह समझने की आवश्यकता पर जोर दिया कि भारतीय ज्ञान परंपरा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कैसे योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि 20वीं सदी के पश्चिम के अधिकांश राजनीतिक विचारकों ने भारत का अच्छा चित्रण नहीं किया, परन्तु कुछ ऐसे विचारक भी रहे हैं जिन्होंने 'भारतवर्ष' को उसके वास्तविक सार में समझा। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय विचार भाईचारे की प्रासंगिकता में निहित है। उन्होंने सभी को वेद, उपनिषद, गीता, रामायण जैसे प्राचीन धार्मिक ग्रंथ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि ये न केवल धार्मिक हैं बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक ग्रंथ भी हैं, जो आज दुनिया के चुनौती देने वाले अधिकांश संकटों का समाधान रखते हैं।

अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने प्रो. पाडिया का स्वागत किया और उनके बहुमूल्य समय और प्रेरक व्याख्यान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत का दायित्व सभी शिक्षाविदों और छात्रों पर है। उन्होंने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हमारे परिप्रेक्ष्य, शब्दावली, कार्यप्रणाली, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक ढांचे को पुनर्जीवित करने और इसे संस्कृति विशिष्ट बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सक्रिय जुड़ाव को बढ़ावा देने और विषय पर छात्रों के बीच आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रो॰ पाडिया ने छात्रों और शिक्षकों के सवालों का जवाब भी दिया।

धन्यवाद ज्ञापन बुद्ध परिसर के परिसर निदेशक प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव ने दिया। समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. श्वेता ने मंच संचालन किया। प्रो. पाल, प्रो. प्रसून दत्त, प्रो. आर.के. चौधरी, संकायाध्यक्ष, छात्र, और प्रशासनिक कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। वर्चुअल मोड के माध्यम से भी छात्र इस संवाद से जुड़े।

डीएम ने की स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा

मोतिहारी। डॉ राधाकृष्णन सभागार में डीएम सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में बिहार शिक्षा परियोजना, पूर्वी चंपारण अंतर्गत जिला के प्राथमिक, मध्य एवं माध्यमिक/ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में यथावश्यक नए भवन निर्माण, लघु /वृहद मरम्मती, अतिरिक्त वर्ग कक्ष निर्माण आदि की आवश्यकता अनुसार आधारभूत संरचना निर्माण की समीक्षा की गई। सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कनीय अभियंता, सहायक अभियंता एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को प्रखंड विद्यालयों में अधुरे कार्यों को ससमय पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया।

वहीं 600 से अधिक शौचालय निर्माण की गति धीमी रहने पर नाराजगी व्यक्त की गई एवं सभी संबंधित अभियंता एवं प्रखंड के पदाधिकारी को कार्य में प्रगति लाने एवं ससमय कार्य पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया गया। विभागीय निर्देश के आलोक में जिन-जिन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक द्वारा राशि

निकासी कर विद्यालय विकास हेतु व्यय नहीं किया जा रहा है, उन्हें पद से हटाने एवं उनके विरुद्ध अविलंब कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपस्थित विधायकों ने अपने क्षेत्र में विद्यालय प्रधान द्वारा कार्य नही करने की प्रवृत्ति पर क्षोभ प्रकट किया और बताया की सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों, योजनाओं में अधिकारी ,अभियंता प्रगति लाए और कहीं समस्या हो तो जनप्रतिनिधि से संपर्क करें एवं निष्पादन करें। डीएम द्वारा डीईओ को निर्देश दिया गया कि संबंधित कनीय अभियंता द्वारा जितने साइट पर कार्य किया जा रहा है उसकी सूची बनाएं एवं 15 दिन पर उसकी समीक्षा करें। ताकि जिनके द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। उन्हें सेवा मुक्त किया जा सके। डीएम द्वारा विद्यालय निरीक्षण के क्रम में पाया कि पैसा रहने के बावजूद विद्यालय शिक्षा समिति ने टूटे दरवाजा एवं खिड़की ,गेट आदि का मरम्मत नहीं कराया है। ऐसे कार्यों के प्रगति पर असंतोष प्रकट किया गया। वही जल्द कार्य कराने का निर्देश दिया गया।डीईओ द्वारा बताया गया कि फ्रीफैब स्ट्रक्चर अंतर्गत कुल 311 के विरुद्ध 102 कमरा बनकर तैयार हो गया है एवं 232 आईसीटी लैब के विरुद्ध 160 विद्यालयों में आईसीटी लैब लग गया है।

Editorial

Thursday 07 December 2023

पुराने पैतरों पर फिर क्यों लौट रहा पाकिस्तान

संघर्ष विराम के आए दिन उल्लंघन के बीच पाकिस्तान फिर पुराने पैतरों पर आ गया है। 2021 के बाद जम्मू-कश्मीर में बढ़ी आतंकियों की सक्रियता इसका स्पष्ट संकेत है। इस साल भी सर्दी शुरू होते ही आतंकियों के हमले तेज हो गए हैं। बीते पांच दिन में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की तीन बड़ी मुठभेड़ जाहिर करती हैं कि सीमा पार से घुसपैठ कराने की साजिश बड़े स्तर पर की जा रही है। साथ ही पाकिस्तान अपनी आर्थिक बदहाली से ध्यान हटाने के लिए भी परिवर्तन के दौर से गुजर रहे केंद्रशासित प्रदेश में माहौल सामान्य न होने का संदेश भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देना चाहता है। राजोरी में 28 घंटे से अधिक चली मुठभेड़ में सेना के दो कैप्टन समेत पांच सैन्यकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान बताता है कि तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के पिछले महीने पाकिस्तान लौटने के बाद वहां की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई अपने प्यादे को गद्दीनशीं करने के लिए आतंकियों को नए सिरे से खाद-पानी देने लगी है। फरवरी 2024 में वहां संसदीय आम चुनाव होना है और नवाज को चौथी बार प्रधानमंत्री बनाने की योजना है। अपने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पस्त पाकिस्तान का अपने आंतरिक हालात से ध्यान हटाना पहली प्राथमिकता है। पड़ोस में घुसपैठ और जनहानि के बूते अपने अवाम को प्रलोभन देना भी इसी का हिस्सा है। हालांकि राजोरी की मुठभेड़ में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकीकारी समेत दो आतंकियों को मार कर सेना ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पराक्रम का परिचय दिया है। कारी ने पहली जनवरी को जिले के ढांगरी गांव में बच्चों समेत सात हिंदुओं की हत्या कर समूचे तंत्र को दहला दिया था। राजोरी में जिस तरह सेना पर हमला किया गया है, 13 सितंबर को अंनतनाग में भी यही तरीका अपनाया गया था। गौरतलब है कि राजोरी में अक्तूबर 2021 में भी नौ सैन्यकर्मियों ने आतंकियों से जूझते हुए शहादत दी थी।

काश, 'हलाल' पर सभी मुख्यमंत्री 'योगी आदित्यनाथ' हो जाएं !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

उत्तर प्रदेश के अभी हाल ही में एक खबर आई और देखते ही देखते देश के 80 प्रतिशत लोगों के चेहरे खिल उठे। भारत का बहुसंख्यक हिन्दू समाज लम्बे समय से यह मांग प्रशासन से कर रहा है कि आखिर देश में मुसलमानों की संख्या सिर्फ 15 प्रतिशत है तो बाकी की 85 फीसदी जनसंख्या को 'हलाल' के नाम पर सामान खरीदने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है? यहां मांसाहार में 'हलाल' का होना उनकी मजहबी मान्यताओं के अनुसार समझ में आता है किंतु किसी भी कंपनी, संस्था या छोटे दुकानदार, वस्तु निर्माता को इसके लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि यदि उसने 'हलाल' सर्टिफिकेट नहीं लिया है तो उसके सामान को बाजार के चलन में नहीं आने दिया जाएगा। भला, यह कैसी मनमर्जी है ? वास्तव में 'हलाल' प्रमाणपत्र के नाम पर ऐसा करनेवालों ने उन तमाम नियमों को भी एक झटके में ताक में रख दिया है, जो भारत सरकार एवं राज्य सरकारों ने फूड प्रोसेसिंग, नागरिक खाद् सुरक्षा के लिए अनिवार्य किए हैं। इसलिए ही आज इस गोरख धंधे को तुरन्त बंद कर देने की अवाज उठाई जा रही है । यह पूरा खेल हर कंपनी में 'हलाल' सर्टिफिकेट की आड़ में जबरन मुसलमानों को रोजगार दिलाने और एक अवैध समानान्तर अर्थव्यवस्था खड़ी कर लेने का है। जिससे कि आतंकवाद को पोषित करने का संदेह भी सामने आता रहा है। यह बेवजह नहीं है, इसके पीछे भी ठोस प्रमाण मौजूद हैं। मुंबई में हुए 26/11 के हमले के लिए अमेरिका के 'हलाल' प्रमाणित एक बूचड़ खाने से पैदा इकट्ठा किया गया था। इसका खुलासा तब हुआ जब इस आतंकी हमले की जांच के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकयों डेविड हेडली (दाऊद गिलानी) और तहव्वुर राणा को गिरफ्तार किया गया। भारत में आतंकवादियों को कानूनी सहायता मुहैया कराने में 'हलाल' सर्टिफिकेट से होनेवाली आय का उपयोग कैसे किया जा रहा है, इसका यह प्रमाण देखिए, जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट दिल्ली कई केसों में आतंकवादियों को जेल से छुड़ाने के लिए ...म कर रहा है। जर्मन बेकरी ब्लास्ट केस (मिर्जा हिमायत बेग बनाम महाराष्ट्र सरकार) - फरवरी 2010 में पुणे के जर्मन बेकरी ब्लास्ट में 17 लोगों की हत्या और 64 लोग घायल हुए थे। इस आतंकी हमले का दोषी इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी मिर्जा हिमायत बेग था। पुणे की सेशन कोर्ट के स्पेशल जज एन. पी. धोते ने 18 अप्रैल, 2013 को बेग को फांसी की सजा सुनाई थी। इसे कानूनी सपोर्ट यही जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट मुहैया कराती रही है। यह एक दूसरा केस है, (अब्दुल रहमान बनाम कर्नाटक सरकार), अब्दुल रहमान ने रावलपिंडी में लश्कर-ए-तोइबा के आतंकी कैंप में प्रशिक्षण लिया था। साल 2004 में वह अवैध तरीके से मुंबई आया और मस्जिदों में मुसलमानों को जिहाद के नाम पर भारत के खिलाफ लड़ने के लिए उकसाता था। इसी तरह से पलारीवत्तम आईएसआईएस केस (अर्शी कुरेशी एवं अन्य बनाम केरल सरकार) यह केस फिलहाल एनआईए के अधीन है। इसके अंतर्गत केरल के रहने वाले बेस्टिन विन्सेंट ने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नया नाम याह्या रख लिया था। याह्या साल 2017 में आईएसआईएस में शामिल होने के लिए अफगानिस्तान भाग गया था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

Today's **Opinion**

क्यों भारत चाहता है बांग्लादेश में शेख हसीना की वापसी

आर.के. सिन्हा

पड़ोसी देश बांग्लादेश में 12वां संसदीय चुनाव 7 जनवरी, 2024 को होगा और जाहिर तौर पर भारत की इन चुनावों पर करीबी नजर रहने वाली है। बांग्लादेश में नई संसद के चुनाव की घोषणा के साथ ही स्वाभाविक रुप से राजनीतिक तनाव और उपद्रव भी शुरु हो गए हैं। प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी ने मांग की है कि चुनाव एक गैर-पार्टी अंतरिम सरकार की निगरानी में हों। इसके नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। शेख हसीना की सत्तारुढ़ अवामी लीग ने विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया है और कहा है कि चुनाव शेख हसीना के नेतृत्व में ही होंगे। इस बीच, भारत की तो चाहत होगी कि अगले चुनाव में भी अवामी पार्टी को सफलता मिले। इसमें कोई शक नहीं है कि शेख हसीना भारत के प्रति कृतज्ञता का भाव रखती हैं और भारत भी उन्हें हर संभव सहयोग देता रहता है। शेख हसीना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध मजबूत हो रहे हैं, जो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों और आपसी विश्वास और समझ पर आधारित है। भारत ने शेख हसीना को विगत सितंबर के महीने में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में मित्र देश के रूप में आमंत्रित किया था। हालांकि बांग्लादेश जी-20 का सदस्य देश तो नहीं है, पर भारत ने बांग्लादेश को मेजबान तथा जी-20 के अध्यक्ष के रुप में आमंत्रित करके साफ संकेत दे दिया था कि वह पड़ोसी मित्र देश को बहुत अहमियत देता है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हमेशा इस तथ्य को माना है कि भारत ने बांग्लादेश की आजादी में महत्वपूर्ण रोल निभाया था। शेख हसीना के लिए भारत की राजधानी नई दिल्ली तो अपने दूसरे घर की तरह की है। उन्होंने यहां सन 1975 से 1981 के दौरान निवार्सित जीवन गुजारा था। तब उनके साथ उनके पति डॉ.एम.ए.वाजेद मियां और उनके दोनों बच्चे भी थे। दरअसल शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक बंग बंधु शेख मुजीब-उर-रहमान, मां और तीन भाइयों का 15 अगस्त, 1975 को कत्ल कर दिया गया था ढाका में। उस भयावह कत्लेआम के समय शेख हसीना अपने पति और बच्चों के साथ जर्मनी में थीं। इसलिए उन सबकी जान बच गई थीं। शेख हसीना के परिवार के कत्लेआम ने उन्हें बुरी तरह से झंझोड़ कर रख दिया था। वे टूट चुकी थी। तब भारत ने उन्हें राजनीतिक शरण दी थी। बेशक, शेख हसीना के जीवन में दिल्ली का बहुत महत्व रहा है। यहां पर उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान के नाम पर एक सड़क भी है। शेख मुजीब उर रहमान बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में केंद्रीय शख्सियत रहे थे। वे 10 जनवरी 1972 को दिल्ली आए थे। तब उनका पालम हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत हुआ था। उस दिन राजधानी में कड़ाके की सर्दी पड़ रही थीं। उन्होंने बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में भारत के सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया था। उनका हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी सारी कैबिनेट ने स्वागत किया था। हवाई अड्डे पर दोनों देशों के राष्ट्रगान हुए। पालम हवाई अड्डे से लेकर राष्ट्रपति भवन तक के मार्ग पर हजारों दिल्ली वाले उनका हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने कोलकाता के मौलाना आजाद कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी और वहां पर ही वे छात्र राजनीति में शामिल हुए थे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत-बांग्लादेश संबंध वर्तमान समय में ठीक दिशा में बढ़ रहे हैं। सन 1947 में धर्म के नाम पर पाकिस्तान बना और 1972 में पाकिस्तान टूटा। उस टूट से निकला बांग्लादेश। पाकिस्तान में एक वर्ग बांग्लादेश से इस आधार पर नाराज रहता है कि उसने 'टू नेशन थ्योरी' को गलत साबित कर दिया। जो कभी एक थे, उनमें से एक की राह अलग है, शेष दो से। वर्तमान में पाकिस्तान के भारत और बांग्लादेश दोनों से ही संबंध बेहद ही तनावपूर्ण चल रहे हैं। कमोबेश सांकेतिक राजनयिक संबंधों के अलावा भारत और बांग्लदेश ने पाकिस्तान से दूरियां बनाई हुई हैं। बांग्लादेश फूटी नजर से भी नहीं देखता पाकिस्तान को।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

रामनवमी पर अयोध्या घूमने का मौका दे रहा IRCTC

देशभर में आज से नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। नौ दिनों तक चलने वाला यह पर्व राम नवमी के साथ खत्म होगा। इस खास मौके पर आईआरसीटीसी लोगों को राम जन्मभूमि अयोध्या के दर्शन करने का मौका दे रहा है।

हाल ही में आईआरसीटीसी (IRCTC) अयोध्या के लिए एक खास टूर पैकेज का एलान किया है। इस पैकेज के जरिए आप राम नवमी पर अयोध्या में रामलला के दर्शन कर पाएंगे। तो चलिए जानते हैं इस पैकेज से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी-

इस दिन से शुरू होगी यात्रा

इस साल 30 मार्च को राम नवमी का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में लोगों को भगवान राम के दर्शन कराने वाले इस टूर पैकेज की शुरुआत 29 मार्च से हो रही है। अगर आप इस पैकेज के तहत अयोध्या के दर्शन करना चाहते हैं, तो 29 मार्च की बुकिंग करा सकते हैं। खास बात यह है कि इस पैकेज के तहत आपको अयोध्या के साथ ही वाराणसी और प्रयागराज घूमने का भी मौका मिलेगा।

ऐसा होगा यात्रा का शेड्यूल

पांच रातों और छह दिन वाले इस टूर पैकेज के तहत आपको अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज घुमाया जाएगा। इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आपको मध्य प्रदेश के इंदौर शहर पहुंचना होगा। यहां से आपको इंदौर स्टेशन से महाकाल एक्सप्रेस पकड़नी होगी और फिर होगी आपकी इस यात्रा की शुरुआत। इसके बाद आप वाराणसी में सारनाथ और काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करेंगे और फिर प्रयागराज में संगम और हनुमान गढ़ी के दर्शन कर पाएंगे। इसके बाद राम जन्मभूमि अयोध्या के दर्शन के बाद आपको वापस इंदौर छोड़ दिया जाएगा।

कितना होगा किराया

अयोध्या के लिए जारी किए गए इस पैकेज के किराए की बात करें, तो यात्रियों के इस यात्रा के लिए 13,650 रुपये से लेकर 18,400 रुपये तक का किराया देना होगा। यात्रा का किराया आपकी ऑक्यूपेंसी के आधार पर तय किया जाएगा। साथ ही किराए की इस राशि के तहत आपको ट्रेन के किराया, डीलक्स होटल में स्टे, पर्यटन स्थलों का भ्रमण, नाश्ता और रात का खाना जैसा सुविधाएं दी जाएंगी। इस टूर पैकेज से जुड़ी विस्तृत जानकारी और बुकिंग के लिए आप आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट या आईआरसीटीसी के ऑफिस भी जा सकते हैं।

बाजार में मौजूद हैं नौ तरह की हेयर ब्रश, कौनसी रहेगी बेहतर

अगर आपको लगता है कि कंघी भले ही कोई भी हो वह सिर्फ बालों को संवारने के ही काम आती है, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर बालों की बनावट के अनुसार कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो उससे बालों को संवारने के साथ-साथ कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। अगर आप अपने बालों के लिए कंघी के चयन को लेकर उलझन में हैं तो आइए हम आपको नौ तरह की कंघी और उनकी विशेषताएं बताते हैं।

पैडल हेयर ब्रश और राउंड हेयर ब्रश

पैडल हेयर ब्रश: लंबे और सीधे बालों के लिए इस कंघी का चयन करना अच्छा रहेगा। यह बालों को जल्दी सुलझाती है। घुंघराले और वेवी बाल वाले भी इस कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हालांकि, अगर आपके घने बाल हैं तो नायलॉन या सिंथेटिक ब्रिसल्स वाला ही पैडल हेयर ब्रश चुनें। राउंड हेयर ब्रश: वेवी बालों के लिए यह कंघी एकदम सही है, जो बालों में वॉल्यूम और बाउंस जोड़ता है। यह बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध है।

टीजिंग हेयर ब्रश और चौड़े दांतों वाली कंघी

टीजिंग हेयर ब्रश: यह हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन है। इससे बालों का वॉल्यूम बढ़ा हुआ दिखता है और इसके पॉइंट-एंडेड हैंडल की मदद से बालों को अलग करने में मदद मिलती है। हालांकि, अगर आपके बाल कमजोर हैं तो इस कंघी के इस्तेमाल से बचें। चौड़े दांतों वाली कंघी: यह कंघी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतर है। खासकर, गीले बालों को टूटने से बचाने के लिए यह कंघी सबसे अच्छी होती है।

डिटैंगलर हेयर ब्रश और रेट-टेल हेयर ब्रश

डिटैंगलर हेयर ब्रश: यह कंघी भी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतरीन है। यह बालों की गांठों को आसानी से सुलझाने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है। रेट-टेल हेयर ब्रश: यह कंघी बालों को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए आदर्श है। इससे बालों की स्टाइलिंग के दौरान उन्हें अलग करना काफी आसान हो जाता है। किसी भी तरह के बालों की स्टाइलिंग के लिए इस कंघी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वेंटेड हेयर ब्रश और बोअर ब्रिसल ब्रश

वेंटेड हेयर ब्रश: अगर आपके पास बालों को ठीक से कंघी करने का समय नहीं है तो वेंटेड हेयर ब्रश आपके गीले बालों को तोड़े बिना उन्हें सुलझाता है और इन्हे सुखाने में भी सहायक है। इसका इस्तेमाल भी हर तरह के बालों पर किया जा सकता है। बोअर ब्रिसल ब्रश: यह कंघी घुंघराले और पतले बाल वाले लोगों के लिए सही है। यह बालों की लंबाई में प्राकृतिक तेलों को वितरित करके उन्हें आसानी से संवारता है।

लूप हेयर ब्रश

इस कंघी में लूप ब्रिसल्स होते हैं, जो बालों के एक्सटेंशन को बिना खींचे संवारते हैं। आपके बाल भले ही किसी भी प्रकार के हो, अगर आपने हेयर एक्सटेंशन करवा रखा है तो लूप हेयर ब्रश का इस्तेमाल करें।

शहद के इस्तेमाल से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

शहद कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसका नियमित सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। अगर आप किसी भी व्यंजन में इसका सीमित मात्रा में इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका स्वाद काफी बढ़ जाता है। आइए हम आपको शहद के इस्तेमाल से बनाए जाने वाले पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर सिर्फ 20 से 30 मिनट में तैयार कर सकते हैं।

हनी फ्रेंच टोस्ट

इसे बनाने के लिए आपको दो फेंटे हुए अंडे, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई कप शहद, एक चौथाई छोटी चम्मच नमक, छह-आठ ब्रेड के स्लाइस और थोड़े मक्खन की आवश्यकता होगी। सबसे पहले अंडे, दूध, शहद और नमक को डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद एक सॉस पैन में मक्खन पिघलाएं और ब्रेड स्लाइस को अंडे के मिश्रण में डुबोएं और फिर इसे दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंके और गरमागरम परोसें।

हनी चिली पोटैटो

हनी चिली पोटैटो के लिए पहले आवश्यकतानुसार आलू को धोकर छीलें, फिर इन्हें फ्रेंच फ्राइज के आकार में काटकर अरारोट से मैरीनेट करें। इसके बाद फ्रेंच फ्राइज को डीप फ्राई करके प्लेट में निकालें। अब गर्म कुकिंग ऑयल में कटी हुई शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक, टोमैटो सॉस, चिली सॉस, सोया सॉस, कुटी लाल मिर्च, थोड़ा नमक और सिरका डालकर कुछ मिनट पकाएं और फिर गैस बंद करके इसमें शहद मिलाएं। अंत में इसमें तले फ्रेंच फ्राइज मिलाकर इसे परोसें।

बेक्ड हनी चीज केक

सबसे पहले अपने ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें और एक केक पैन को मक्खन से चिकना करके उसमें एक बेकिंग पेपर डालें। अब एक कटोरे में कटे हुए खजूर, ओट्स, सूरजमुखी के बीज, दालचीनी और नारियल समेत पिघला मक्खन मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को केक पैन में डालें और बेक करें, फिर बेक केक पर क्रीम चीज, अंडे, नींबू के रस, वनिला एसेंस और शहद को फेटकर डालें और दोबारा इसे बेक करने के बाद परोसें।

स्पाइस हनी कैमोमाइल कूलर

सबसे पहले थोड़ा पानी उबाकर उसमें कैमोमाइल टी बैग्स, दालचीनी और लौंग डालकर पांच मिनट के लिए उबालें। इसके बाद पानी में से दालचीनी और लौंग को निकालकर इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर प्रत्येक गिलास में एक बड़ा चम्मच संतरे का रस और कुछ बर्फ के टुकड़ों समेत तैयार ड्रिंक डालकर इसे परोसें।

बनाना हनी मफिन

सबसे पहले अपने ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। इसके बाद एक पैन में मक्खन पिघलाकर उसमें शहद और दूध डालें, फिर इसमें मैश किए हुए केले डालें। अब इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, थोड़ा नमक मिलाकर गैस बंद करें और मिश्रण को मफिन कप में डालकर 20 से 25 मिनट तक अच्छे से बेक करें। अंत में थोड़ा ठंडा करके मफिन को परोसें।

शाम के समय बनाएं टेस्टी आलू ब्रेड चाट, फिर शांत हो जाएगी चटपटा खाने की क्रेविंग

शाम होते-होते कुछ अच्छा और चटपटा खाने का मन होने लगता है। ऐसे में चाट एक ऐसा ऑप्शन है जो क्रेविंग्स को शांत कर सकता है। आप भेलपुरी खाते-खाते बोर हो गए हैं तो कुछ नया ट्राई कर सकते हैं। शाम के नाश्ते में चाट अच्छी लगती है लेकिन लोग घर पर चाट बनाने से बचते हैं।

चाट को अधिक समय और मेहनत वाली रेसिपी समझी जाती है लेकिन हम चाट बनाने की ऐसी आसान और झटपट वाली रेसिपी बता रहे हैं, जिससे आप घर पर ही स्वादिष्ट और हेल्दी चाट का लुत्फ उठा सकते हैं। इस चटपटी चाट को सिर्फ ब्रेड और आलू से बनाया जा सकता है। जानें इसकी आसान रेसिपी -

आलू-ब्रेड चाट बनाने की आवश्यक सामग्री

घी या रिफाइंड, ब्रेड, उबले आलू, बारीक कटा टमाटर, धनिया और प्याज, भुना जीरा पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, फेंटा हुआ दही, हरी चटनी, इमली की चटनी, काला नमक, भुजिया- पापड़ी।

आलू-ब्रेड चाट बनाने की विधि

- सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करके उसमें ब्रेड को गोल्डन व क्रिस्पी होने तक सेक लें।
- अब एक अलग बाउल में उबले आलू को छीलकर मैश करें और उसमें कटा टमाटर, प्याज और धनिया मिला लें।
- इस मिश्रण में भुना जीरा पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब क्रिस्पी ब्रेड के ऊपर आलू की स्टफिंग को रखें।
- इसके ऊपर से फेंटा हुआ दही, हरी चटनी और इमली की चटनी डालें। अब काला नमक, भुजिया, पापड़ी या कोई नमकीन ऊपर से डाल दें। अब इसे अनारदाना और नींबू के साथ गार्निश कर लुत्फ उठाएं।

पराठे को ज्यादा टेस्टी और हेल्दी बनाने के लिए फॉलो करें ये कुकिंग टिप्स

पराठे वैसे तो सर्दियों में ज्यादा अच्छे लगते हैं लेकिन पराठ लवर्स गर्मियों में भी पराठा खाना नहीं भूलते हैं। हालांकि, सप्ताह में एक-दो बार पराठा खाना फायदेमंद है लेकिन रोजाना मील में पराठा खाने से आपके डाइजेशन पर इसका असर पड़ सकता है।

खासकर जिन लोगों का पेट ज्यादातर टाइम पर खराब रहता है, उन्हें रोजाना पराठे नहीं खाने चाहिए लेकिन अगर आप फिर भी पराठे को अपने ब्रेकफास्ट की थाली से अलग नहीं करना चाहते हैं, तो आप पराठा बनाते वक्त ऐसी हेल्दी टिप्स फॉलो कर सकते हैं जिनसे आपका पराठा न सिर्फ हेल्दी बनेगा बल्कि काफी स्वादिष्ट भी बनेगा।

ऑयल

पराठों को ज्यादा हेल्दी बनाने लिए इसमें इस्तेमाल होने वाले तेल पर भी ध्यान दें। पराठे बनाते समय घी और रिफाइंड तेल के प्रयोग से बचें, और इसके बजाय ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें।

आप चम्मच से तेल न डालें बल्कि इसके लिए ऑयलिंग ब्रश का इस्तेमाल करें क्योंकि आप इसमें देसी घी डालकर बाद में खा सकते हैं।

स्टफिंग

आलू के पराठे तो सभी को पसंद होते हैं लेकिन अगर आप कार्ब वाला पराठा नहीं खाना चाहते हैं, तो आप फूलगोभी, प्याज, मूली और यहां तक कि प्रोटीन युक्त पनीर फिलिंग जैसे हेल्दी ऑप्शन चुन सकते हैं। आप आटा गूंदते समय कुछ मेथी के पत्ते या पालक की प्यूरी मिला सकते हैं। आप रात की बची हुई दाल भी इसमें डाल सकते हैं।

आटा गूंदना

नरम पराठे बनाने के लिए एक किचन हैक है कि पराठे का आटा गूंदते समय इसमें थोड़ा गर्म दूध मिला दें। इससे आटा नरम हो जाएगा और पराठे को थोड़ा अच्छा मीठा स्वाद भी मिलेगा। इसमें आप आटा गूंदते समय आप ताजी मलाई भी डाल सकते हैं।

क्रिस्पी पराठा

आटा गूंदते समय गुनगुने पानी का प्रयोग करें और इसमें हमेशा एक चम्मच घी डालें। आटा गूंदने के बाद, इसे एक प्याले में रखें, थोड़ा-सा तेल लगाकर इसे मलमल के कपड़े से ढक कर रख दें।

मीडियम आंच रखें

पराठे को तवे पर रखने से पहले ध्यान दें कि तवा गरम हो. इसे ज्यादा ठंडे या गर्म तवे पर रखने से पराठा सख्त हो जाएगा। साथ ही पराठे को पकाते समय आंच को भी मीडियम ही रखें। बहुत तेज आंच परपराठा बाहर से जल जाएगा और अंदर से कच्चा रह जाएगा।

सॉफ्ट फूली हुई रोटियां बनाने के लिए अपनाएं ये किचन टिप्स, क्या है आटा स्टोर करने का सही तरीका

महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी किचन में रोटी बनाने के लिए आटा गूंथते समय होती है। ऐसे में अगर आटा अच्छी तरह न गूंथा हुआ हो तो उसकी रोटियां भी अच्छी नहीं बन पाती है।

महिलाएं अक्सर यह शिकायत करती हैं कि आटा गूंथने पर उनसे या तो आटा जरूरत से ज्यादा सख्त हो जाता है या फिर गीला हो जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो आप ये किचन हैक्स अपनाकर फूली हुई सॉफ्ट गोल रोटियां बड़े आराम से बना सकती हैं।

सॉफ्ट रोटी बनाने के लिए अपनाएं ये किचन टिप्स-

आटा गूंथने के लिए करें गुनगुने पानी का इस्तेमाल-

रोटी बनाने के लिए जब भी आटा गूंथें तो पानी को थोड़ा गुनगुना कर लें। इस टिप की मदद से रोटियां सॉफ्ट बनना शुरू हो जाएंगी। आप चाहें तो आटे में थोड़ा सा मोयन यानी आधा चम्मच तेल भी डाल सकती हैं।

आटा गूंथने के तुरंत बाद ना बनाएं रोटी -

रोटी के लिए आटा गूंथ लिया है तो कम से कम 10 मिनट के लिए उसे ढक कर रख दें। आटे को थोड़ा खमीर देने से भी रोटियां बहुत अच्छी बनती हैं।

आटा स्टोर करते समय रखें इस बात का ध्यान-

आटा स्टोर करते समय सबसे पहले तो कोशिश करें कि आपका आटा बहुत ज्यादा देर तक रखा न रहे। 24 घंटे पुराने आटे का इस्तेमाल बिलकुल भी न करें। इसके अलावा आटा स्टोर करते समय ध्यान रखें कि तेल या घी उसमें लगा दें।

घी या तेल लगाने के बाद आटे को एल्युमिनियम फॉयल में लपेट कर किसी एयर टाइट कंटेनर में ही फ्रिज में रखें। ऐसा करने से आटा ज्यादा लंबे समय तक फ्रेश रह सकेगा।

Friday
15 December 2023

BNM Fantasy

खिचड़ी 2 का दूसरा गाना रिलीज

दिवाली के मौके पर सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 (Tiger 3) रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म के पांच दिन बाद 17 नवम्बर को फैमिली कॉमेडी फिल्म खिचड़ी 2 सिनेमाघरों में पहुंचेगी। नवरात्रि त्योहार की बीच बुधवार को फिल्म का दूसरा गाना वंदा राका रिलीज किया गया है, जो थिरकने के लिए मजबूर करता है। गाने का टीजर विद्या बालन ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर किया है। गाने पर विद्या ने भी जेडी मजेठिया और कीर्ति कुल्हरी के साथ स्टेप्स किये हैं। इस गाने का ऑडियो पहले ही रिलीज कर दिया गया था। अब इसका वीडियो जारी किया गया है।

ट

'टाइगर 3' के ट्रेलर को मिली बेशुमार तारीफ

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और कैटरीना कैफ फिल्म 'टाइगर 3' में अपनी सुपर एजेंट टाइगर और जोया को फिर से निभाने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने 'टाइगर 3' का ट्रेलर जारी किया और इसने इंटरनेट पर देखते ही देखते धूम मचा दी। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में से सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया, जिसमें एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। सलमान और कैटरीना ट्रेलर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और लोगों द्वारा उन पर बरसाए जा रहे प्यार से बेहद रोमांचित हैं। सलमान और कैटरीना सबसे लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं, जिन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शक उमड़ पड़ते हैं। कैटरीना कहती हैं, 'टाइगर 3' के ट्रेलर को जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखना अविश्वसनीय है। यह बेहद अद्भुत है कि हमें इतना प्यार मिल रहा है क्योंकि पूरी टीम ने टाइगर 3 को एक एक्शन ड्रामा बनाने के लिए अपना सबकुछ झोंक दिया है। यह टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है और मैं 'टाइगर 3' से लोगों की भारी उम्मीदों से अच्छी तरह वाकिफ हूं। मुझे खुशी है कि ट्रेलर को सर्वसम्मति से प्यार मिल रहा है और यह रिलीज होने तक 'टाइगर 3' अभियान के लिए शानदार माहौल तैयार करता है। वह कहती हैं, टाइगर और जोया एक ही पहेली के दो टुकड़े हैं। जब वे एक इकाई के रूप में एक साथ काम करते हैं तो वे करिश्माई और साहसी होते हैं।

शादी की साड़ी में आलिया भट्ट ने लिया नेशनल अवॉर्ड

तस्वीरें वायरल

हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था। इस खास इवेंट के लिए सभी कलाकार दिल्ली पहुंचे थे। इससे पहले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की गई थी। अब दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेताओं को सम्मानित किया। इन अवॉर्ड्स की लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का भी नाम है। आलिया भट्ट ने फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए अवॉर्ड जीता। इस बार आलिया भट्ट का लुक काफी आकर्षक था। फिल्म में आलिया के बेहतरीन अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेत्री ने साड़ी पहनी हुई थी। अपने इस देसी लुक में वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। उनकी इस साड़ी का भी एक खास कनेक्शन है। अवॉर्ड समारोह में आलिया ने वही साड़ी पहनी जो उन्होंने अपनी शादी में पहनी थी। आलिया भट्ट ने अपने करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड जीता है। इस मौके पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट पति रणबीर कपूर के साथ पहुंचीं। यह जोड़ा अपनी जिंदगी के इस खास दिन के लिए काफी उत्साहित नजर आया। अपनी शादी की साड़ी पहनने पर फैंस आलिया की तारीफ कर रहे हैं। तो आलिया ने खुद भी कमेंट कर बताया है कि उन्होंने ये साड़ी क्यों पहनी। आलिया ने कहा, 'जिंदगी के एक खास दिन के लिए यह साड़ी भी बेहद खास है। इस साड़ी को दोबारा पहनना भी उतना ही आनंददायक है।' उन्होंने यह भी कहा है कि वह अपनी जिंदगी के खास पलों में हमेशा इस खास साड़ी को पहनेंगी। इस बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार एक नहीं बल्कि दो अभिनेत्रियों को मिला है। आलिया भट्ट ने अपनी फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। वहीं, कृति सेनन को फिल्म 'मिमी' के लिए यह अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। नेशनल अवॉर्ड जीतने पर एक्ट्रेस ने संजय लीला भंसाली का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही उन्होंने इस अवॉर्ड का श्रेय भी उन्हीं को दिया है।